

वस्तुनिष्ठ/भर्तिलघुतरीय प्रश्नोत्तर - प्रसाद, निराला (छायावाद)

1. जयशंकर प्रसाद की प्रथम कविता 'सावन-पंचक' सन् 1906 ई. में भारतेन्दु पत्रिका में किस उपनाम से प्रकाशित हुई थी?  
— कलाधर
2. जयशंकर प्रसाद की प्रथम छायावादी कविता कौन-सी है?  
— प्रथम प्रभात (सन् 1918 ई. में, झरना में संकालित)
3. जयशंकर प्रसाद की किस पुस्तक को चंपूकाव्य कहा जाता है?  
— उर्वशी
4. खड़ी बोली में जयशंकर प्रसाद का प्रथम काव्य संग्रह कौन है?  
— कानन-कुसुम
5. जयशंकर प्रसाद के गुरु का नाम क्या था?  
— मोहिनीलाल
6. 'छायावाद की प्रथम प्रयोगशाला' किस रचना को कहा जाता है?  
— झरना
7. 'आधुनिक हिन्दी का मेघदूत' किस रचना को कहा जाता है?  
— औसू (133 छंदों का विरह प्रधान स्मृति काव्य)
8. जयशंकर प्रसाद द्वारा ब्रजभाषा में रचित कविताएँ किस काव्य संग्रह में संकालित हैं?  
— चित्राधार
9. जयशंकर प्रसाद ने अपनी किस रचना को ब्रजभाषा से खड़ी बोली में अनुवाद किया था?  
— प्रेम पथिक (1914 में)
10. जयशंकर प्रसाद कृत कामायनी महाकाव्य में कितने सर्ग हैं?  
— 15 (1. चिन्ता, 2. आशा, 3. श्रद्धा, 4. काम, 5. वासना, 6. लज्जा, 7. कर्म, 8. ईर्ष्या, 9. इडा, 10. स्वप्न, 11. संघर्ष, 12. निर्वेद, 13. दर्शन, 14. रहस्य, 15. आनन्द)

11. कामायनी के पात्र और प्रतीक → पात्र      प्रतीक

मनु — मन

सद्वा — हृदय

इडा — बुद्धि

कुमार — मानव

12. कामायनी को छायावाद का उपनिषद् किसने कहा था?

— आचार्य शांतिप्रिय द्विवेदी

13. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का जन्म कहाँ हुआ था?

— महिषादल (मेदनीपुर)

14. निराला का प्रथम काव्य संग्रह का नाम क्या है?

— अनामिका

15. निराला द्वारा रचित प्रथम कविता कौन-सी है?

— चूड़ी की कली (1916 ई.)

16. हिन्दी में मुक्त छंद का आवर्तक किसे माना जाता है?

— सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

17. निराला ने 'कवित्त' को क्या कहा है?

— हिन्दी का जातीय छंद

18. हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ शोकगीत किसे माना जाता है?

— सरोज स्मृति

19. निराला कृत 'राम की शक्तिपूजा' महाकाव्य का उपजीव्य ग्रंथ कौन-सा है?

— बांग्ला ग्रंथ 'कृतवास रामायण'

20. निराला कृत 'तुलसीदास' खण्ड काव्य में कितने छंद हैं?

— 101

21. आचार्य शुक्ल के अनुसार निराला में कौन-सी प्रतिभा है?

— बहुवस्तुस्पर्शिनी प्रतिभा

22. निराला द्वारा रचित अंतिम काव्य संग्रह का नाम क्या है?

— खांशककली

23. निराला की अंतिम कविता कौन-सी है?

— पत्रोत्कंठित जीवन का विष बुझा हुआ है